आज महानगर कानपुर, 4 अगस्त 2026 4

यूपी के 87 केवीके प्रक्षेत्रों पर लगेंगे डोम सीसीटीवी कैमरे

वर्चुअल बैठक में शामिल अटारी के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह व अन्य।

कानपुर, 3 अगस्त। आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोन-तृतीय, कानपुर के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह की अगुवाई में आज वर्चुअल बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के अध्यक्षों एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों के साथ हुई। बैठक में बताया गया कि यूपी के समस्त सभी केवीके (87 केवीके) प्रक्षेत्रों में डोम सीसीटीवी कैमरा आधारित निगरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी। इसके लिए भारत सरकार ने प्रत्येक केवीके को पूंजीगत बजट जारी कर दिया है। इसमें डोम सीसीटीवी आधारित निगरानी प्रणाली स्थापित करने तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) को सुदृढ़ करने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है। आईसीटी मद के अंतर्गत प्रत्येक केवीके को कंप्यूटर सिस्टम, प्रिंटर एवं अन्य आवश्यक आईटी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे कृषि विज्ञान केंद्रों की डिजिटल कार्यक्षमता और अधिक मजबूत होगी। बैठक में अटारी निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह एवं वैज्ञानिकों ने डोम सीसीटीवी कैमरों की स्थापना से संबंधित तकनीकी मानकों एवं कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी कृषि विज्ञान केन्द्रों को बताई। उन्होंने बताया कि प्रत्येक केवीके प्रक्षेत्र में एक उपयुक्त स्थान पर 40 फीट पोल स्थापित कर उस पर 10 मेगापिक्सल के 3 डोम सीसीटीवी एचडी कैमरे अलग-अलग दिशाओं में लगाए जाएंगे, जिससे प्रक्षेत्र के अधिकतम क्षेत्र की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रक्षेत्र कृषि अनुसंधान, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं कृषि प्रसार गतिविधियों के प्रमुख केंद्र हैं। प्रस्तावित निगरानी प्रणाली के माध्यम से बुवाई, रोपाई, निराई-गुड़ाई, सिंचाई, फसल प्रबंधन तथा कटाई जैसी गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी। इसके साथ ही महिला श्रमिकों की सुरक्षा, प्रायोगिक एवं प्रदर्शन इकाइयों की सुरक्षा, आगंतुकों की गतिविधियों पर निगरानी तथा आवारा एवं जंगली पशुओं से फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी यह व्यवस्था सहायक सिद्ध होगी।बैठक में निदेशक अटारी ने सभी केवीके अध्यक्षों से कहा कि शीघ्र आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर निर्धारित मानकों के अनुसार डोम सीसीटीवी सेटअप एवं आईसीटी सुविधाओं के क्रय प्रक्रिया पूर्ण कर जल्द से जल्द स्थापित करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक निगरानी व्यवस्था और डिजिटल आधारभूत संरचना के सुदृढ़ होने से कृषि विज्ञान केंद्रों की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम बनेगी तथा कृषि अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं कृषि प्रसार कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन में नई गति मिलेगी।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 18 अंक : 37 कानपुर, मंगलवार 04 अगस्त 2026 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

प्रदेश के 87 कृषि विज्ञान केंद्रों में लगेंगे डोम सीसीटीवी कैमरे, ICT होगी सुदृढ, प्रत्येक केवीके को बजट जारी

कानपुर। निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने सोमवार को वर्चुअल बैठक में उत्तर प्रदेश के कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के अध्यक्षों एवं वरिष्ठ वैज्ञानिकों को संबोधित किया। बैठक में उन्होंने बताया कि राज्य के लगभग सभी केवीके (87 केवीके) प्रक्षेत्रों में डोम सीसीटीवी कैमरा आधारित निगरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी।

इस उद्देश्य के लिए भारत सरकार द्वारा प्रत्येक केवीके को पूंजीगत बजट जारी कर दिया गया है। इसमें डोम सीसीटीवी आधारित निगरानी प्रणाली स्थापित करने तथा सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (इ्रष्टञ्) को सुदृढ़ करने के लिए धनराशि उपलब्ध कराई गई है। आईसीटी मद के अंतर्गत प्रत्येक केवीके को कंप्यूटर सिस्टम, प्रिंटर एवं अन्य आवश्यक आईटी उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे, जिससे कृषि विज्ञान केंद्रों की डिजिटल कार्यक्षमता और अधिक मजबूत होगी। बैठक में अटारी निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह एवं वैज्ञानिकों ने डोम

सीसीटीवी कैमरों की स्थापना से संबंधित तकनीकी मानकों एवं कार्ययोजना की विस्तार से जानकारी कृषि विज्ञान केन्द्रों को बताई। उन्होंने बताया कि प्रत्येक केवीके प्रक्षेत्र में एक उपयुक्त स्थान पर 40 फीट पोल स्थापित कर उस पर 10 मेगापिक्सल के 3 डोम सीसीटीवी ॥ष्ठ कैमरे अलग-अलग दिशाओं में लगाए जाएंगे, जिससे प्रक्षेत्र के अधिकतम क्षेत्र की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित की जा सके। उन्होंने ने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रक्षेत्र कृषि अनुसंधान, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं कृषि प्रसार गतिविधियों के प्रमुख केंद्र हैं। प्रस्तावित निगरानी प्रणाली के माध्यम से बुवाई, रोपाई, निराई-गुड़ाई, सिंचाई, फसल प्रबंधन तथा कटाई जैसी गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग संभव होगी। इसके साथ ही महिला श्रमिकों की सुरक्षा, प्रायोगिक एवं प्रदर्शन इकाइयों की सुरक्षा, आगंतुकों की गतिविधियों पर निगरानी तथा आवारा एवं जंगली पशुओं से फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी यह व्यवस्था सहायक सिद्ध होगी।बैठक में निदेशक अटारी ने सभी केवीके अध्यक्षों से कहा कि शीघ्र आवश्यक कार्यवाही प्रारंभ कर निर्धारित मानकों के अनुसार डोम सीसीटीवी सेटअप एवं आईसीटी सुविधाओं के क्रय प्रक्रिया पूर्ण कर जल्द से जल्द स्थापित करें। उन्होंने कहा कि आधुनिक निगरानी व्यवस्था और डिजिटल आधारभूत संरचना के सुदृढ़ होने से कृषि विज्ञान केंद्रों की कार्यप्रणाली अधिक प्रभावी, पारदर्शी एवं तकनीक-सक्षम बनेगी तथा कृषि अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं कृषि प्रसार कार्यक्रमों के बेहतर क्रियान्वयन में नई गति मिलेगी।

अमर उजाला 04/08/2026

प्रदेश के 87 कृषि विज्ञान केंद्रों में लगेंगे डोम सीसीटीवी कैमरे

कानपुर। प्रदेश के 87 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) में डोम सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। इनका बजट भारत सरकार ने प्रत्येक केंद्र को जारी कर दिया है। यह जानकारी आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोन-तीन, के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने वर्चुअल बैठक में केवीके अध्यक्षों और वरिष्ठ वैज्ञानिकों को दी।

बताया कि सभी केवीके में 40 फीट ऊंचे पोल पर 10 मेगापिक्सल के तीन एचडी डोम सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएंगे। केंद्र को कंप्यूटर सिस्टम, प्रिंटर और अन्य आईटी उपकरण भी उपलब्ध कराए जाएंगे। आधुनिक निगरानी व्यवस्था से बुवाई, रोपाई, सिंचाई, फसल प्रबंधन और कटाई जैसी कृषि गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग हो सकेगी। महिला श्रमिकों की सुरक्षा, प्रायोगिक इकाइयों की निगरानी और आवारा पशुओं से फसलों की सुरक्षा में भी मदद मिलेगी। (संवाद)

दैनिक जागरण 04/08/2026

कृषि विज्ञान केंद्रों की संचार प्रौद्योगिकी होगी सुदृढ़

जागरण संवाददाता, कानपुर : प्रदेश के 87 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की डिजिटल कार्यक्षमता को मजबूत करने के लिए सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी (आइसीटी) को सुदृढ़ किया जाएगा। सभी केवीके प्रक्षेत्रों में डोम सीसीटीवी कैमरा आधारित निगरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी। केंद्र सरकार ने प्रत्येक केवीके को बजट जारी कर दिया है। इसमें कंप्यूटर सिस्टम, प्रिंटर एवं अन्य उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। ये जानकारी सोमवार को भारतीय कृषि अनुसंधानपरिषद(आइसीएआर)–कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोन-तृतीय के निदेशक डा. राघवेंद्र सिंह ने वर्चुअल बैठक में प्रदेश के केवीके के अध्यक्षों व वरिष्ठ विज्ञानियों को दी।

उन्होंने कहा कि कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रक्षेत्र कृषि अनुसंधान, अग्रिम पंक्ति प्रदर्शन, प्रशिक्षण एवं कृषि प्रसार गतिविधियों के प्रमुख केंद्र हैं। प्रस्तावित निगरानी प्रणाली के माध्यम से बोआई, रोपाई, निराई-गुड़ाई, सिंचाई, फसल प्रबंधन व कटाई जैसी गतिविधियों की रियल टाइम मानिटरिंग संभव होगी। इसके साथ ही महिला श्रमिकों की सुरक्षा व आवारा एवं जंगली पशुओं से फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने में भी मदद मिलेगी।

87 केवीके में लगेंगे डोम सीसी कैमरे

कानपुर। उत्तर प्रदेश के 87 कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) के प्रक्षेत्रों में अब निगरानी की जाएगी। इसके लिए डोम सीसीटीवी कैमरा आधारित निगरानी प्रणाली स्थापित की जाएगी। इसके लिए भारत सरकार ने सभी केवीके को बजट जारी कर दिया है। यह जानकारी आईसीएआर-कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान (अटारी), जोन-तीन के निदेशक डॉ. राघवेंद्र सिंह ने दी। उन्होंने सभी केवीके के साथ बैठक कर विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि योजना के तहत सभी केवीके में 40 फीट ऊंचे पोल पर 10 मेगापिक्सल के तीन एचडी डोम सीसीटीवी कैमरे अलग-अलग दिशाओं में लगाए जाएंगे। जिससे पूरे प्रक्षेत्र की प्रभावी निगरानी की जा सके।

हिंदुस्तान 04/08/2026